SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2005-2006

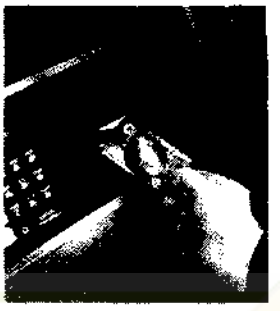

Report Junction.com

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

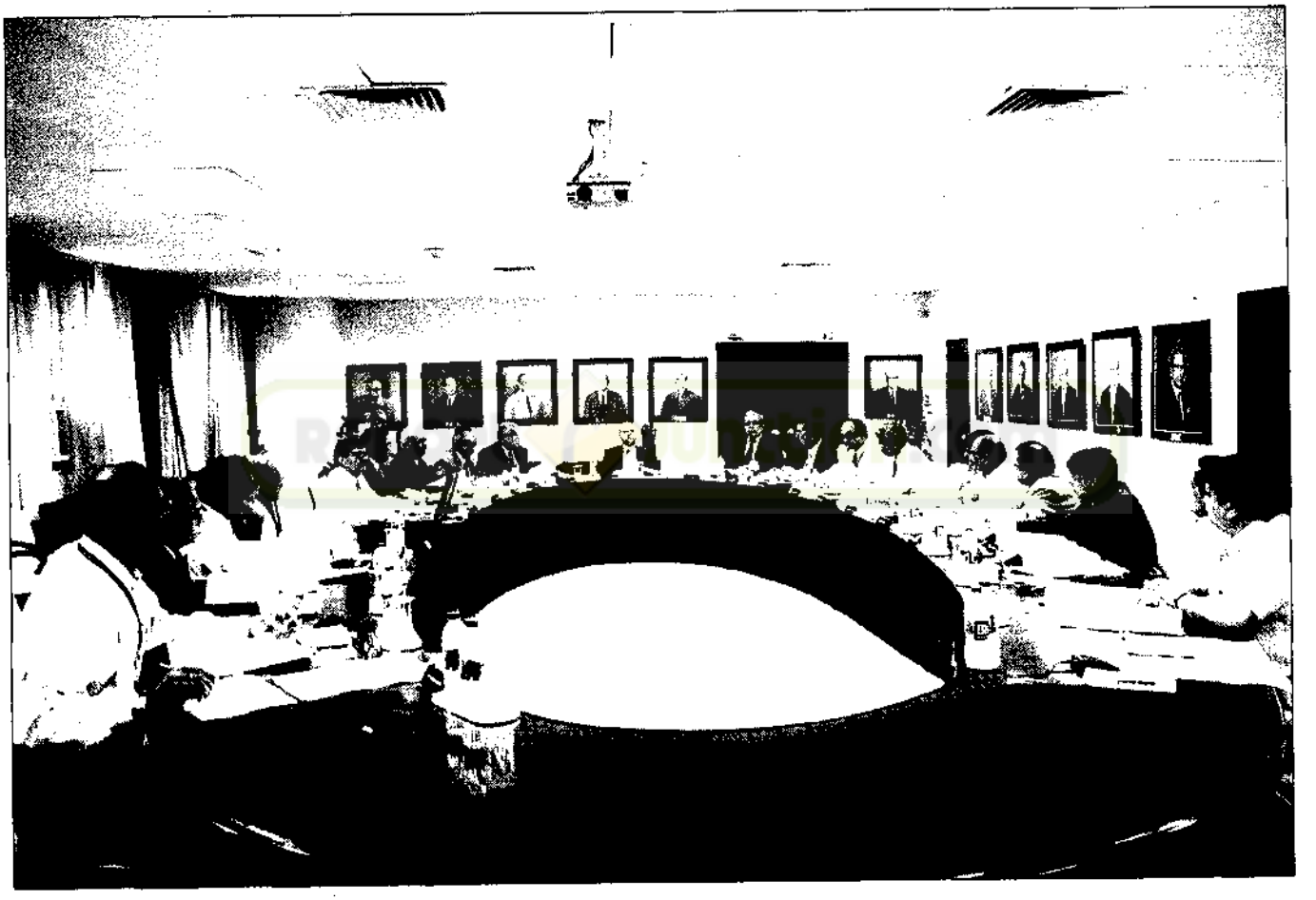

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the Meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'–स्कीम,
जयपुर - 302005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की पैंतालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल के पास, जयपुर में सोमवार, दिनांक 22 मई, 2006 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी जिसमें 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 तक की अवधि के तुलन–पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल के प्रतिवेदन तथा तुलन–पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
13.04.2006

एस. के. भट्टाचार्य
प्रबन्ध निदेशक

Notice

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme,
JAIPUR - 302005

NOTICE is hereby given that the forty fifth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Monday, the 22nd May, 2006 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2005 to 31st March, 2006.

BY ORDER OF THE BOARD

JAIPUR
13.04.2006

S. K. Bhattacharyya
Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	56
Balance Sheet	56
लाभ-हानि खाता	58
Profit & Loss Account	58
अनुसूचियां	60
Schedules	60
प्रमुख लेखा नीतियां	72
Principal Accounting Policies	73
खातों पर टिप्पणियाँ	78
Notes on Accounts	79
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	100
Auditors' Report	101

उन्नति का एक दशक 1997-2006

A Decade of Progress 1997-2006

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50*	802	1.29
मार्च March 2003	903.45	20391	4	440.85	203.28*	804	1.46
मार्च March 2004	1148.57	25457	4	681.35	301.52*	812	1.70
मार्च March 2005	1297.68	31294	4	729.64	205.65*	824	2.20
मार्च March 2006	1405.66	37790	4	592.37	145.03	832	2.77

* स्वैच्छिक सेवा निवृति के कारण वर्ष 2000-01 में रुपये 45.37 करोड़ एवं वर्ष 2001-02 से 2004-05 रुपये 21.45 करोड़ भार प्रति वर्ष ।

* After VRS outgo of Rs. 45.37 crore in 2000-01 and Rs. 21.45 crore per year from 2001-02 to 2004-05.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crore)

	2004-05	2005-06
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	31294	**37790**
जमा राशियाँ Deposits	19038	**21694**
कुल अग्रिम Total Advances	12256	**16096**
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	12009	**15896**
निवेश (निवल) Investments (Net)	8362	**7932**
निवल लाभ Net Profit	205.65	**145.03**
जमाओं की लागत Cost of Deposits	4.84%	**4.53%**
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	8.60%	**8.70%**
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin	4.20%	**4.18%**
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियां Paid-up Capital & Reserves	1297.68	**1405.66**
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	411.30	**290.07**
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	2595	**2811**
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	12.60%	**12.08%**
लाभांश दर Dividend Rate	100%	**65%**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets	399.51	**388.73**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross NPA %	3.26%	**2.42%**
निवल गैर निष्पादित आस्तियां Net NPA %	1.61%	**1.18%**
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors	5569	**6970**
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	2218	**2848**
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1488	**1680**
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Advances to Small Business & Other Priority Sectors	1863	**2442**
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	271770	**350302**
निर्यात वित्त Export Finance	1163	**1585**
आठ सेवा शाखाओं सहित शाखाओं की कुल संख्या No. of branches including eight service branches	824	**832**
कोर बैंकिंग शाखाओं की संख्या No. of Core Banking branches	103	**832**
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	12883	**12845**
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	2.20	**2.77**

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल

श्री ए.के. पुरवार अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री एस.के. हरिहरन उप प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (ए एण्ड एस समूह), भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एस के भट्टाचार्य प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री एस. रामास्वामी अतिरिक्त मुख्य महा प्रबन्धक भारतीय रिज़र्व बैंक, नागपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री जीबन गोस्वामी महा प्रबन्धक (ए एण्ड एस समूह) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री यशोवर्धन सिन्हा उप महा प्रबन्धक (ए एण्ड एस समूह) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
चौ. शाह मोहम्मद खान जे-252, सेवा सदन, मंगोलपुरी, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
डॉ. संजीव अग्रवाल ए-226, शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री संजय निरनवाल ए-208, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री एम.के. मल्होत्रा अवर सचिव, भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), संसद मार्ग, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री यू.एम. संघी सचिव, एबीओए (यूनिट एसबीबीजे) सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, जयपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2 ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री एल.एन. जालानी विशेष सहायक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, अंचल कार्यालय, ए-23, शास्त्री नगर, जोधपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2 ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri A. K. Purwar Chairman State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri S. K. Hariharan Dy. Managing Director & Group Executive (A&S Group), State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S. K. Bhattacharyya Managing Director State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S. Ramaswamy Addl. Chief General Manager Reserve Bank of India, Nagpur	Nominated by the Reserve Bank of India under clause(b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Jiban Goswamy General Manager (A&S Group) Associate Banks' Deptt. State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Yashovardhan Sinha Dy. General Manager (A&S Group) Associate Banks' Department State Bank of India Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Ch. Shah Mohammad Khan J-252, Seva Sadan, Mangolpuri, New Delhi	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Sanjiv Agarwal A-226, Shivanand Marg, Malviya Nagar, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjay Niranwal A-208, Triveni Nagar, Gopalpura Bye Pass, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Sh. M. K. Malhotra Under Secretary, Govt. of India Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs (Banking Division), Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the Central Government under cluase (e) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
Shri U. M. Sanghi Secretary, ABOA (Unit: SBBJ) AGM (Rajbhasha) State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Jaipur	Nominated by the Central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub section (2A) of section 26 of the Act.
Shri L. N. Jalani Special Assistant State Bank of Bikaner and Jaipur, Zonal Office, A-23, Shastri Nagar, Jodhpur	Nominated by the Central Government under clause (ca) of sub- section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
Board of Directors

श्री ए.के. पुरवार
अध्यक्ष
Shri A. K. Purwar
Chairman

श्री एस. के. भट्टाचार्य
प्रबन्ध निदेशक
Shri S. K. Bhattacharyya
Managing Director

श्री एस.के. हरिहरन
Shri S.K. Hariharan

श्री एस. रामास्वामी
Shri S. Ramaswamy

श्री जीबन गोस्वामी
Shri Jiban Goswami

श्री यशोवर्धन सिन्हा
Shri Yashovardhan Sinha

चौ. शाह मोहम्मद खान
Ch. Shah Mohammad Khan

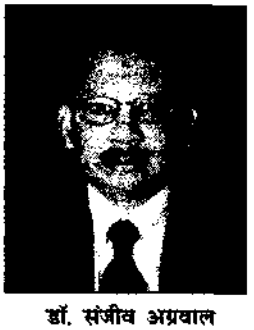

डॉ. संजीव अग्रवाल
Dr. Sanjiv Agarwal

श्री संजय निरनवाल
Shri Sanjay Niranwal

श्री एम. के. मल्होत्रा
Shri M.K. Malhotra

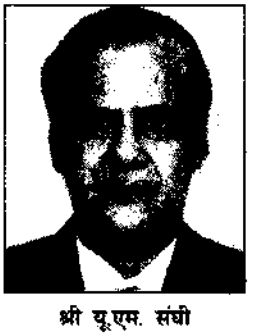

श्री यू.एम. संघी
Shri U. M. Sanghi

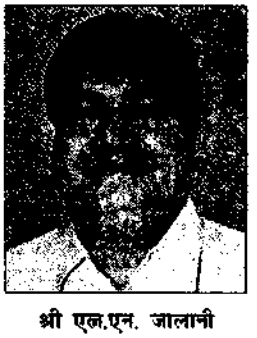

श्री एल.एन. जालानी
Shri L. N. Jalani

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2006 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है ।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष 2005 में विश्व अर्थव्यवस्था में अत्यंत लचीलापन देखने को मिला । वर्ल्ड इकोनोमिक आउटलुक (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अप्रैल 2006) के अनुसार वर्ष 2005 के दौरान विश्व उत्पाद में 4.8 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने का अनुमान है जबकि वर्ष 2004 में यह वृद्धि दर 5.3 प्रतिशत थी । वैश्विक स्तर पर समिष्टि-आर्थिक नीतियों एवं उदार वित्तीय बाज़ार की दशाओं के समरूप वर्ष 2006 के लिए वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 4.9 प्रतिशत कर दिया गया है । भारत एवं चीन विश्व में तीव्रतम गति से विकास करने वाले राष्ट्रों में बने हुए हैं। तथापि, कच्चे तेल की बढ़ती हुई कीमतें, मुद्रास्फीति का दबाव एवं अन्तर्राष्ट्रीय चालू खातों में बढ़ता हुआ असन्तुलन कुछ प्रमुख ध्यान देने योग्य क्षेत्र बने हुए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

वर्ष 2005-06 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में गतिवर्द्धन हुआ है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन ने वर्ष 2005-06 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) में 8.1 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जो कि वर्ष 2003-04 एवं 2004-05 में क्रमश: 8.5 प्रतिशत एवं 7.5 प्रतिशत थी । खरीफ एवं रबी की फसलों की अच्छी संभावनाओं से वर्ष 2005-06 में कृषि क्षेत्र में विगत वर्ष की 0.7 प्रतिशत की तुलना मे वर्ष 2005-06 में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। विनिर्माण क्षेत्र में वर्ष 2004-05 की 8.1 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2005-06 में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि को देखते हुए औद्योगिक क्षेत्र में वर्ष 2005-06 में 8.0 प्रतिशत की मुखर वृद्धि अनुमानित है जो पिछले वर्ष 7.4 प्रतिशत थी । सेवा क्षेत्र में भी निरंतर वृद्धि हो रही है । वर्ष 2005-06 के दौरान इसमें 10.1 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है जो कि पिछले वर्ष की 10.2 प्रतिशत की सशक्त वृद्धि के अनुकूल है।

वर्ष 2005-06 के दौरान भारत के निर्यात 24.7 प्रतिशत बढ़कर 100.6 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर तक पहुंच गया जबकि आयात 31.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 140.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गए। 31 मार्च 2006 को भारत का विदेशी विनिमय कोष अंत-मार्च 2005 के स्तर से 10.1 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 151.6 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया जो कि उच्च व्यापार घाटा एवं 7.1 बिलियन अमरीकी डॉलर के इण्डिया मिलेनियम जमाओं के भुगतान के बावजूद था । पूंजी का अन्तर्प्रवाह विशेषकर भारतीय इक्विटी बाज़ारों में जारी रहा जिससे इक्विटी सूचकांक वर्ष 2005-06 के दौरान अपने अब तक के सर्वोच्च स्तरों को पार करते रहे । बीएसई सूचकांक मार्च 2005 के अंत के 6,493 के स्तर से 73.7 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2006 की समाप्ति पर 11,280 के स्तर तक पहुंच गया।

कच्चे तेल के मूल्यों में वृद्धि के बावजूद थोक मूल्य सूचकांक की मुद्रास्फीति दर 23 अप्रैल 2005 के 6.0 प्रतिशत से घटकर 27 अगस्त 2005 को 3.3 प्रतिशत के स्तर पर आ गयी । 1 अप्रैल 2006 को मुद्रास्फीति की दर 3.5 प्रतिशत थी जो भारतीय रिजर्व बैंक के 2005-06 के अनुमानित 5.0-5.5 प्रतिशत के स्तर से नीचे रही । यह गिरावट कई अन्य देशों की भांति भारतीय रिज़र्व बैंक की सावधानीपूर्ण नीतियों के फलस्वरूप थी ।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान राज्य, जो कि 3.42 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल मे फैला हुआ है, देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (1993-94 की कीमतों पर) वर्ष 2005-06 के दौरान रुपये 70,491 करोड़ अनुमानित है जो कि पिछले वर्ष में रुपये 66,853 करोड़ था । राज्य के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में वर्ष 2004-05 के 0.6 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2005-06 में 5.4 प्रतिशत की गतिवृद्धि हुई है। स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय,वर्ष 2004-05

प्रबन्ध निदेशक, श्री एस के भट्टाचार्य, राजस्थान की मुख्य मंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे को बैंक के कार्यकलापों के बारे में जानकारी देने हेतु शिष्टाचार भेंट करते हुए

Managing Director, Shri S K Bhattacharyya, meeting Smt Vasundhara Raje, Chief Minister of Rajasthan to apprise her about Bank's activities

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act 1959

Period covered by the Report: 1st April 2005 to 31st March 2006

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2006.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

World Economy

The global economic prospects exhibited considerable resilience during 2005. According to World Economic Outlook (International Monetary Fund, April 2006), global output growth is estimated at 4.8 per cent in 2005 as against 5.3 per cent growth recorded during 2004. The growth projections for 2006 have been placed higher at 4.9 per cent in line with macroeconomic policies and benign financial market conditions across the globe. India and China continue to be amongst the fastest growing nations in the world. High international crude oil prices, inflationary préssures and global current account imbalances, however, remain the major areas of concern.

Indian Economy

India's growth momentum in the economy accelerated during 2005-06. The Central Statistical Organisation has projected GDP growth (1999-2000 prices) at 8.1 per cent during 2005-06 over and above strong growths of 8.5 per cent and 7.5 per cent recorded during 2003-04 and 2004-05 respectively. With good kharif and rabi prospects, growth in agriculture sector is expected at 2.3 per cent during 2005-06 as against 0.7 per cent in the previous year. Industry sector is expected to record a robust growth of 8.0 per cent as against 7.4 per cent in the previous year, led by manufacturing sector which is expected to grow by 9.4 per cent during 2005-06 as against 8.1 per cent during 2004-05. Services sector continues to perform well with growth of 10.1 per cent during 2005-06 on the back of strong growth of 10.2 per cent in the previous year.

India's exports during 2005-06 increased by 24.7 per cent to reach US$ 100.6 billion while imports grew by 31.5 per cent to reach a level of US$ 140.2 billion. The foreign exchange reserves at US$ 151.6 billion as on March 31, 2006 recorded a growth of US$ 10.1 billion over end-March 2005 level despite higher trade deficit and outflows on account of redemption of India Millennium Deposits amounting to US$ 7.1 billion. Capital inflows continued to remain robust particularly into the Indian equity markets resulting in equity indices scaling all time highs during 2005-06. BSE Sensex increased from 6,493 as at end-March 2005 to 11,280 as at end-March 2006, recording a growth of 73.7 per cent.

Notwithstanding higher crude oil prices, WPI inflation declined from 6.0 per cent on April 23, 2005 to 3.3 per cent on August 27, 2005. On April 1, 2006, inflation stood at 3.5 per cent which was lower than the RBI's estimate of 5.0-5.5 per cent made in the beginning of 2005-06. This was made possible, inter alia, on account of RBI's cautious policy approach in line with similar approaches in many other countries.

Rajasthan Economy

Geographically spread over 3.42 lakh sq. kms, Rajasthan is currently the largest State in the country. The Gross State Domestic Product at 1993-94 prices is estimated at Rs.70,491 crore during 2005-06 as against Rs.66,853 crore in the previous year. The State GDP growth during 2005-06 accelerated to 5.4 per cent as against 0.6 per cent in 2004-05. The Per Capita Income at constant prices is estimated to increase from Rs.9,853 during 2004-05 to Rs.10,226 during 2005-06, recording a growth of 3.8 per cent.

जयपुर के मशहूर हाथी समारोह का एक दृश्य

A view of the famous Elephant Show of Jaipur

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

के रुपये 9,853 से बढ़कर वर्ष 2005-06 में रुपये 10,226 हो गई जो कि 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाती है।

राजस्थान राज्य की अर्थव्यवस्था मूलत: कृषि आधारित है। यहाँ की 75 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है एवं इसकी आबादी का 70 प्रतिशत हिस्सा कृषि एवं कृषि पर आधारित गतिविधियों पर निर्भर है। वर्तमान में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का 23.9 प्रतिशत भाग कृषि (पशुपालन सहित) पर आधारित है जो मानसून पर निर्भर रहता है क्योंकि राज्य का एक विशाल हिस्सा मुख्यत: वर्षा से सिंचित होता है। राज्य में वर्ष 2005-06 के दौरान मानसून में 9.0 प्रतिशत की कमी रही जिससे खरीफ की फसल प्रभावित हुई। तथापि रबी की फसल का पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर होना परिलक्षित है। कुल मिलाकर राज्य में 2005-06 में खाद्यान्न का उत्पादन 118.3 लाख टन होने की सम्भावना है जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 3.3 प्रतिशत कम है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियां

अर्थव्यवस्था में आए उछाल के मद्देनजर वर्ष 2005-06 में उच्च ऋण वृद्धि जारी रही जबकि पिछले वर्ष की तुलना में जमाराशियों की वृद्धि दर भी अधिक रही। 1 अप्रैल 2005 से 31 मार्च 2006 के दौरान जमाराशियों में वृद्धि दर 16.9 प्रतिशत रही जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की 14.8 प्रतिशत की वृद्धि-दर से अधिक थी। बैंक ऋण में 29.9 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर्ज हुई जो कि पिछले वर्ष की 27.9 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक थी। ऋण-जमा अनुपात मार्च 2006 के अन्त में 71.7 प्रतिशत हो गया जो कि पिछले तीन दशकों में सर्वाधिक है। दिसम्बर 2005 के अन्त से इंडिया मिलेनीयम जमाओं के रुपये 32,000 करोड़ के भुगतान के फलस्वरूप तरलता में कमी के संकेत देखे गए। इसके साथ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अप्रैल 2005, अक्टूबर 2005 एवं जनवरी 2006 के नीतिगत वक्तव्यों द्वारा रिवर्स रेपो की दर में प्रत्येक स्तर पर 0.25 प्रतिशत की वृद्धि होने से जमाराशियों एवं ऋणों की ब्याज दरों में वृद्धि देखी गई। इस कारण से ऋण बाजार में अवसाद की स्थिति रही जबकि पूंजी बाजार में अंतर्राष्ट्रीय संस्थागत निवेशकों एवं स्थानीय म्यूच्युअल फंडों से लगातार निवेश जारी रहा।

वर्ष 2005-2006 में भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक द्वारा कई उपाय किए गए जिससे बैंकों को विभिन्न क्षेत्रों में समय पर एवं समुचित वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा विवेकशील मानदण्डों को मजबूत करने और इसके साथ बैंकों का मार्च 2007 तक बेसल II के मानकों में स्थानान्तरण अच्छी तरह से हो सके। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण नीतियुक्त गतिविधियां हुई:

- लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के लिए ऋण-प्रवाह को 5 वर्ष में दुगना करने के लिए एक नीति पैकेज की घोषणा हुई जिसमें कम से कम 20 प्रतिशत वार्षिक ऋण वृद्धि शामिल थी।
- शाखा विस्तार एवं अनुमोदन को विवेकशील बनाया गया है। अब प्रत्येक मामले के अनुमोदन के बजाय भारतीय रिजर्व बैंक आपसी विचार विमर्श एवं परामर्श द्वारा बैंकों को वार्षिक आधार पर सहमति प्रदान करेगा जो कि बैंकों की मध्यम-अवधि की शाखा विस्तार की संस्थागत योजना पर निर्भर होगा।
- सरकारी व्यवसाय पर एजेन्सी कमीशन की दर परिचालनों के मूल्य के बजाय संख्या पर आधारित की गई।
- वाणिज्यिक भू-संपदा तथा पूंजी बाजार के अग्रिमों पर जोखिम भार बढ़ाने तथा मानक आस्तियों पर अधिक प्रावधान के विवेकशील मानदण्डों को लागू किया गया।
- निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि के अधिशेष को, कतिपय शर्तों के अधीन, बैंकों की टीयर I पूंजी में शामिल करने की स्वीकृति दी गई।
- बेसल II की जरूरतों को पूरा करने के लिये बैंकों की पूंजी बढ़ाने हेतु अतिरिक्त एवं प्रवर्तित विकल्प प्रदान किए गए।
- विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमाओं के लिये दो अतिरिक्त मुद्राओं यथा कैनेडियन डॉलर एवं ऑस्ट्रेलियन डॉलर की स्वीकृति दी गयी। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) की जमाओं की अवधि भी 5 वर्ष तक बढ़ायी गई।
- आबादी के अधिकतम हिस्से के वित्तीय समावेशन तथा बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर उपाय किए गए। इनमें 'नोफ्रिल खाते' खोलना, 'अपने ग्राहक को जानिए' नियमों में सरलता लाना, गैर सरकारी संगठनों/ माइक्रो क्रेडिट संस्थानों की मध्यस्थ के रूप में सेवाएं लेना तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की गतिविधियाँ बढ़ाना शामिल था।
- केन्द्रीय बजट 2006-07 में कृषि क्षेत्र के लिए विभिन्न घोषणाओं के साथ कृषि क्षेत्र के ऋण को रुपये 1,75,000 करोड़ तक बढ़ाने, 3.85 लाख अतिरिक्त स्वयं सहायता समूहों को ऋण-बद्ध करने तथा खरीफ 2006-07 से किसानों को घटी हुई ब्याज दरों पर अल्पावधि ऋण उपलब्ध कराने के उपाय किए गए।
- उत्पादन विपणन योजना के अंतर्गत प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के लिए ऋण सीमा को रुपये 5 लाख से बढ़ाकर रुपये 10 लाख किया गया। साथ ही खाद्य संस्करण उद्योग को भी प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में लाने का प्रस्ताव है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के अंतर्गत आयकर में छूट के लिए बैंकों की 5 वर्ष और उससे अधिक की मियादी जमाओं को सम्मिलित किया गया।

संभावनाएं, चुनौतियां एवं परिदृश्य

अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान तथा सकल घरेलू उत्पादन में सतत 7-8 प्रतिशत की वृद्धि बने रहने से बैंकिंग क्षेत्र में अच्छे अवसर प्राप्त हुए हैं। मध्यमवर्गीय आबादी में खर्च करने वाली आय में वृद्धि, रहन-सहन के तरीकों में बदलाव, औद्योगिक एवं सेवाक्षेत्र में लगातार उन्नति, खुदरा ऋण में निरंतर वृद्धि तथा कृषि, आधारभूत ढांचागत सुविधा, लघु एवं मध्यम उद्यमियों पर बल देने से बैंकों के ऋणों में वृद्धि जारी रहेगी। अनुकूल विधायी परिवर्तनों से वसूली वातावरण बेहतर होने तथा जोखिम प्रबंधन में सुधार से बैंक के कार्य निष्पादन को और बढ़ावा मिला है। कोर बैंकिंग सहित आवश्यक प्रौद्योगिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर के आ जाने से बैंक ग्राहकों को उच्च कोटि की सेवा प्रदान करने की स्थिति में है जिसके लाभ आने वाले वर्षों में मिलने लगेंगे।

इन सबके अलावा राजस्थान राज्य में भी निवेश में वृद्धि का उत्साह परिलक्षित है। राज्य सरकार के संगठित प्रयासों एवं उत्तरी बाजारों की नजदीकी होने से ऊर्जा, सड़क, सूचना प्रौद्योगिकी, खनिज तेल एवं गैस, बिजनेस प्रॉसेस आउटसोर्सिंग, वस्त्र, सीमेंट एवं अतिथि सेवा क्षेत्रों में भारी निवेश का आकर्षण है। बाड़मेर में एक पैट्रोलियम रिफायनरी लगाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन सभी गतिविधियों एवं पर्यटन उद्योग में लगातार बल देने से राजस्थान राज्य उच्च विकास की ओर अग्रसर है, जिसका बैंक को लाभ मिलेगा क्योंकि यह राज्य का सबसे बड़ा बैंक है। इसीलिए, कुल मिलाकर बैंक का परिदृश्य काफी सकारात्मक है।

www.reportjunction.com